

---

## shrIDattatreya Stotra 2

श्रीदत्तात्रेयस्तोत्रं २

### Document Information

---

Text title : dattastotra2

File name : dattastotra2.itx

Category : deities\_misc, dattAtreya, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com> ,

Proofread by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com> ,

Latest update : April 25, 2010

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदत्तात्रेयस्तोत्रं २

---



॥ ॐ ॥

दत्तात्रेयं प्रियदैवतं सर्वात्मकं विश्वंभरम् ।  
करुणार्णवं विपदाहरं चिन्मयं प्रणामाम्यहम् ॥ १ ॥

बालरूपं ङास्यवदनं शंभयक्युतं प्रभुम् ।  
धेनुसहितं त्रिशुलपाणिं चिन्मयं प्रणामाम्यहम् ॥ २ ॥

षड्भुजं स्तवनप्रियं त्रिगुणात्मकं भवतारकम् ।  
शिवकारकं सुरवंदितं चिन्मयं प्रणामाम्यहम् ॥ ३ ॥

प्रणवगायनतोषितं प्रणवपद्मैः पूजितम् ।  
प्रणवात्मकं परमेश्वरं चिन्मयं प्रणामाम्यहम् ॥ ४ ॥

कोटिभास्करसदृशं तेजस्विनं तेजोमयम् ।  
सद्गुरुं गुरुणां गुरुं चिन्मयं प्रणामाम्यहम् ॥ ५ ॥

विश्वनाटकयालकं ज्ञानगम्यं निर्गुणम् ।  
भक्तकारणसंभूतं चिन्मयं प्रणामाम्यहम् ॥ ६ ॥

बालयोगिध्यानमग्नं त्रिविधतापनिवारकम् ।  
दीननाथं सिद्धिदं चिन्मयं प्रणामाम्यहम् ॥ ७ ॥


जनकजननीबंधुसुदृढाः आमसर्वास्त्वं मम ।  
अलि अलि स्मर्तुगामिन् चिन्मय प्रकटी भव ॥ ८ ॥

Encoded and proofread by


Dinkar Deshpande dinkar.deshpande@gmail.com

Sunder Hattangadi

---

——  
*shrIDattatreya Stotra 2*

pdf was typeset on December 22, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

